Sem-1 MJC / MIC / IDC

अर्थशास्त्र एक परिचय

अर्थशास्त्र के संदर्भ में विभिन्न अर्थशास्त्रियों के विचार:

↳ दुर्लभता संबंधी परिभाषा :-

दुर्लभता संबंधी परिभाषा देने वाले अर्थशास्त्रियों में प्रमुख रूप से रॉबिन्स का नाम पहले आता है। इन्होंने अपने एक नए दृष्टिकोण से अर्थशास्त्र की परिभाषा प्रस्तुत किया। इन्होंने अपनी पुस्तक 'An ESSay on the Nature and Significance of Economic Science' में बताया कि आर्थिक जीवन में हम साधनों की सीमितता Scarcity की समस्या से जूझते रहते हैं। फलस्वरूप हमारे सामने चयन की मुख्य समस्या होती है। हमें अपनी आवश्यकता के आधार पर उसका चुनाव करते हुए उसकी संतुष्टि करनी होती है। चूंकि साधनों के भी वैकल्पिक प्रयोग होते हैं इसलिए उनके मूल्य भी चयन करना होता है। इससे यह स्पष्ट है कि 'दुर्लभता और चयन' दोनों ही एक साथ चलते हैं। अर्थात् आवश्यकताओं की सीमित साधनों के बीच हमारी आवश्यकताओं की पूर्ति समय-समय पर उनकी प्राथमिकताओं के आधार पर होती रहती है। इसीलिए रॉबिन्स ने अर्थशास्त्र को चयन का विज्ञान (economics is the logic of choice) कहा है।

* रॉबिन्स ने जीवन की मूल सच्चाई पर ध्यान दिया उन्होंने धन और मानव कल्याण दोनों पर ध्यान देने के बजाय मनुष्य की असीमित आवश्यकताओं और सीमित साधनों के बीच संबंध (तालमेल) स्थापित करने का प्रयास किया। हालांकि स्टिग्लर, फ्रीडमैन, केयर्नक्रास जैसे अर्थशास्त्रियों ने रॉबिन्स का समर्थन किया है।